जागरण YAHOO! INDIA
दैनिक जागरण e PAPER

सिटी मोबिलिटी प्लान बनेगा

लखनऊ, 23 दिसम्बर (जागरण ब्यूरो): प्रदेश के बड़े शहरों की यातायात व्यवस्था के नियोजन व संचालन के लिए काम्प्रिहेन्सिव सिटी मोबिलिटी प्लान तैयार किये जाएंगे। इनमें से हर शहर का अपना सिटी मोबिलिटी प्लान होगा। राष्ट्रमंडल खेलों के मद्देनजर इसकी शुरुआत आगरा व मथुरा से की जाएगी। शहरों के सिटी मोबिलिटी प्लान तैयार करने के लिए अर्बन मास ट्रांजिट कंपनी लि. (यूएमटीसी) को कन्सल्टेन्ट नियुक्त करने की कवायद चल रही है। लाइलाज होती जा रही शहरी यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए यह कवायद की जा रही है। इसमें शुरुआत में प्रदेश के वे बड़े शहर लिये जा रहे हैं जिनमें जवाहर लाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूअल मिशन (जेएनएनयूआरएम) योजना संचालित की जा रही है। इनमें लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, मेरठ और मथुरा शामिल हैं। अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों को देखते हुए आगरा और मथुरा के सिटी मोबिलिटी प्लान प्राथमिकता के तौर पर तैयार कराये जाएंगे। माना जा रहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों में शिरकत करने वाले देशी-विदेशी खिलाड़ी और दर्शक इन दोनों पर्यटन स्थलों की ओर भी रुख करेंगे। इसलिए इन दो शहरों के सिटी मोबिलिटी प्लान आगामी मार्च तक तैयार कराने की योजना है। शहरों के सिटी मोबिलिटी प्लान तैयार करने के लिए यूएमटीसी को कन्सल्टेन्ट नियुक्त करने पर सहमति बनी है। कन्सल्टेन्ट की नियुक्ति का प्रस्ताव अनुमोदन के लिए कैबिनेट को भेजा जाएगा। प्रमुख सचिव नगर विकास आलोक रंजन ने बताया कि प्रदेश के शहरी यातायात के नियोजन, संचालन, नियंत्रण व पर्यवेक्षण के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में युनाइटेड मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट अथारिटी (उमटा) के गठन का भी प्रस्ताव है। उमटा के गठन को लेकर भी शासन स्तर पर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। गौरतलब है कि सूबे में शहरी यातायात व्यवस्था के लिए नगर विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
इस पृष्ठ की सामग्री जागरण प्रकाशन लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई है
कॉपीराइट © 2007 याहू वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट / IP नीति